Vol 2 Issue 10 April 2013

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary
Research Journal

GoldenResearch Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 10, April. 2013
ISSN:-2231-5063

Available online at www.aygrt.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों का प्राध्यापकों का निष्पादन मूल्याकंन का अध्ययन

नाईक टी.बी. , एस. एस. माने

सहाय्यक प्राध्यापक श्री.म.ता.शासकीय अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय,कोल्हापूर.
अधिव्याख्याता जिल्हा शिक्षण व संस्था,कोल्हापूर.

सारांशः

अध्यापक प्रशिक्षण प्र ावशाली शिक्षक बनाने के लियें उसके निहित गुणों एवं कौशल का विकास एवं प्र ावशाली शिक्षक बनाने के लिये समुचित वातावरण महत्वपूर्ण होता है। प्रशिक्षण महाविद्यालयों मे अध्यापक को आत्म–विश्लेषण तथा स्वंय के मूल्याकंन का अवसर प्राप्त होता है। अध्यापक प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर निरन्तर प्रश्न चिन्ह आज की अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था में चिन्ता का विषय है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमन 2010 के रूप में उच्च शिक्षा के मानकों का अनुरक्षण एवं वे समस्त उपाय सम्मिलित है जो की विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक स्टॉफ की नियुक्ती से सम्बध्द न्युनतम अर्हताओ से जुडे हुए है।

प्रस्तावना :–

नियमन 2010 अनुसार अध्यापक प्रशिक्षण की गुणवत्ता और कार्य शिक्षा के शोध कार्यो मे सुधार तथा शिक्षा स्तर को उन्नत करना महत्वपूर्ण माना है। अध्यापक प्रशिक्षण प्र ावशाली बनाने के लिए अध्यापक को समाज की आवश्यकतों पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षक प्रशिक्षण को एक आकर्षक व्यवसाय बनाने नें के लिये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 2010 नियमन में प्रोत्साहित किया है। अध्यापक प्रशिक्षण कें प्राध्यापकों मे जागरूकता बढाने एवं गुणवत्ता को बढाने के लिये स्वंय मूल्याकंन महत्वपूर्ण बताया है। अध्यापक प्रशिक्षण के एक नये प्रत्यय में इस बात पर अधिक बल दिया गया की अध्यापको को केवल प्रशिक्षित ही नही वरन शिक्षित ी होना चाहिए। अध्यापक प्रशिक्षण के सम्बध्द मे अधिक मजबूत और व्यापक विचार उ रकर सामने आये। राष्ट्रीय आवश्यकताओं और आकांक्षाओ के सन्द ॅ मे अध्यापक प्रसिक्षण में एक बडे परिवर्तन की आवश्यकता है। अध्यापक प्रशिक्षण की गुणात्मकता को बढाने के लिये निष्पादन मूल्याकंन कार्यान्वित की जाये जिसमे सैध्दान्तिक और संसाधन पर मूल्याकंन हो।

डॉ.राम मनोहर लोहिया ने विश्वविद्यालय शिक्षक की इस संकल्पना को इस प्रकार रेखांकित किया था। विश्वविद्यालय के अध्यापक वास्तव में विव्दान हो जो अपने विषय के सारे उपलब्ध ज्ञान से परिचित हो और अपनी विशिष्ट बुध्दी और ज्ञान से विषय की मोटी मोटी बातो को प्रकाश मे ला सके। अध्यापक अ ी जितनी किताबें और पत्र पत्रिकाएँ पढते है उससे कही ज्यादा उन्हे पढना होगा। पढी हुई सामग्री और जीवन पर ज्यादा चिन्तन और मनन करना होगा। अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में निष्पादन सूचकाँक मूल्याकंन अपनाए गए है जिससे प्राध्यापको के गुणवत्ता मे बढावा हो रही है। अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयो के प्राध्यापको को आत्ममूल्याकंन की आवश्यकता है। जिसमे महाविद्यालय के अध्यापक की नेतृत्व क्षमता उनके सर्जनशील चरित्र एवं बहु विमात्मक व्यक्तित्व तथा समाज को शिखर तक पहुंचा सकने कै बहुआयामी ूमिका के जानने परखने के सम्बन्ध में एक तत्वदर्शी की समन्वयात्मक दृष्टी अपनाना होगी। और इसके लिए प्राध्यापको को गुणवत्ता के प्रति सजग रहना होगा।

अध्ययन की अवश्यकता

अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय माध्यमिक शिक्षा और शिक्षा निती में अधिक प्र ावी रूप से राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में सकारत्मक समर्थन करती है। माध्यमिक शिक्षा के लिए अध्यापक प्रशिक्षण मे सुधारात्मक कदम उठाये जाने के लिये प्राध्यापकों से संबधित कार्यप्रणाली पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमन 2010 में नवीनतम मूल्याकंन प्रणाली को समाविष्त किया गया है।

शोध के उद्देश

अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयो के प्राध्यापकों के निष्पादन मूल्याकंन ज्ञात करना।
अध्यापक प्रशिक्षण और प्राध्यापकों की कार्यप्रणाली निष्पादन मूल्याकंन में अंतर ज्ञात करना।
निष्पादन मूल्याकंन व्दारा प्राध्यापकों के संसाधन और अध्यापन गुणवत्ता मे बदलाव ज्ञात करना।

परिसीमन

प्रस्तुत अध्ययन में अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन कोल्हापूर जिला अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों तक सीमित है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में अध्यापक महाविद्यालयों के प्राध्यापको कों चयनित किया गया ।

चयनित न्यादर्श

समूह	पुरूष	महिला
प्राध्यापक	49	33

प्रदत्त संग्रह

प्रस्तुत अध्ययन में अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयोंके प्राध्यापकों के निष्पादन सूचकाँक मूल्याकंन हेतू कार्यकलाप की प्रकृति से संबधित प्रदत्त एकत्र करने के लिये शोधकर्ता व्दारा निर्मित प्राध्यापक प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का विश्लेषण

प्राध्यापक प्रश्नावली तालिका शिक्षण तथा मूल्याकंन संबंधी कार्यकलाप

कार्यकलाप	प्राध्यापको का प्रसाद		योग	
	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
व्याख्यान / प्रायेगिक / अनुशिक्षण ली गई संपर्क कक्षाऍं	46	33	22ण54	10ण89
अनुदेशन निर्धारित सामग्री सहित प्रति पाठय विवरण के अनुसार विद्यार्थियों को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराकर पाठचर्या संवर्धन	36	28	17ण64	9ण24
पाठयक्मो पाठय विवरण की रूपरेखा को अद्यतन करना	32	12	15ण68	3ण96
नवचारी / अनुशिक्षण मे प्रशिक्षण पध्दतियों का उपयोग	33	26	16ण17	8ण58
विकासात्मक तथा विदित उपचारात्मक / ब्रिज पाठयकम तथा परामर्शी मॉडयूल्स	45	17	22ण05	5ण61
विद्यार्थियों के लिए कम्प्युटर सहायक शिक्षण / वेब आधारित शिक्षण तथा ई–पुस्तकालय कौशल मे प्रचलित प्रशिक्षण	38	19	18ण62	6ण27
कालेज / विश्वविद्यालय तथा सत्रीय / वार्षिक परिक्षा आबंटित डयुटी के अनुसार	46	33	22ण54	10ण89
कालेज / विश्वविद्यालय परिक्षा मूल्याकंन	35	17	17ण15	5ण61
समन्वयन जैसे परिक्षा कार्य	23	15	11ण27	4ण95
संस्थात्मक सह पाठयेत्तर कार्यकलाप	14	13	6ण86	4ण29

पद/नेतृत्व की ूमिका	10	31	4ण9	10ण23
विद्यार्थियों एवं स्टाफ संबंधी सामाजिक सांस्कृतिक कार्यकम	32	30	15ण68	9ण9
राष्ट्र संघटन, पर्यावरण, लोकतंत्र, समाजवाद, मानव अधिकार आदि सामुदायिक कार्य	11	18	5ण39	5ण94
कालेजो/विश्वविद्यालय के निगमात्मक जीवन में योगदान	16	28	7ण84	9ण24
संस्थानात्मक शासन उत्तरदायित्व जैसे उपप्राचार्य, डिन, निदेशक वार्डन, बर्सर, समन्वयक	12	11	5ण88	3ण63
संस्थानात्मक प्रबंधन के किसी ी पहलू सहित संबंध्द समितियों में सह ागिता जैसे दाखिल समिती।	21	27	10ण29	8ण91
सम्मेलन का संगठन/प्रशिक्षण (राष्ट्रीय/प्रादेशिक)	33	22	16ण17	7ण26
व्यवसाय संबंधी समितियों की सदस्यता	36	19	17ण64	6ण27
विषय संघ, सम्मेलन, संगोष्ठीयो मे बगैर पत्र प्रस्तुतिकरण के सह ागिता	42	23	20ण58	7ण59
पाठयविवरण विकास, व्यावसायिक विकास, परिक्षा सुधार १ सप्ताह से कम अवधि के अल्पकालिन प्रशिक्षण पाठयकमो मे सह ागिता	37	26	18ण13	8ण58
शिक्षा पर राज्य/केंद्रिय समितियों मे सदस्यता	18	11	8ण82	3ण63
समाचार प्रत्रों प्रत्रिकाओं या अन्य प्रकाशने में आलेखों का प्रकाशन, रेडिओ वार्ता, दूरदर्शन कार्यकम	32	10	15ण68	3ण3
संदर् ित जरनल मे प्रकाशन	46	32	22ण54	10ण56
एम.फिल., पीएच.डी. अनुसंधान मार्गदर्शन	28	13	13ण72	4ण29
पुनश्वर्या पाठयकम पध्दती, कार्यशाला, प्रशिक्षण	26	22	12ण74	7ण26

अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राध्यापकों व्दारा निष्पादन मूल्याकंन व्याख्यान/प्रायोगिक/अनुशिक्षण ली गई संपर्क कक्षाए में कार्यकलाप का प्रतिशत पूरूष प्राध्यापक 22.54 और महिला प्राध्यापक 10.89 है। पूरूष और महिला प्राध्यापक के निष्पादन मूल्याकंन में 10.65 प्रतिशत अंतर है। अनुदेशन निर्धारित सामग्री सहित प्रति पाठय विवरण के अनुसार

विद्यार्थियों को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराकर पाठचर्या संवर्धन में 8.40 अंतर स्पष्ट है। पाठयकमो पाठय विवरण की रूपेरखा को अद्यतन करना, विकासात्मक तथा विदित उपचारात्मक/ब्रिज पाठयकम तथा परामर्शी मॉडयूल्स, विद्यार्थियों के लिए कम्प्युटर सहायक शिक्षण/वेब आधारित शिक्षण तथा ई–पुस्तकालय कौशल मे प्रचलित प्रशिक्षण, पाठयविवरण विकास, व्यावसायिक विकास, परिक्षा सुधार १ सप्ताह से कम अवधि के अल्पकालिन प्रशिक्षण पाठयकमो मे सह ागिता, समाचार प्रत्रों प्रत्रिकाओं या अन्य प्रकाशने में आलेखों का प्रकाशन, रेडिओ वार्ता, दूरदर्शन कार्यकम, संदर् ित जरनल मे प्रकाशन, पुनश्वर्या पाठयकम पध्दती, कार्यशाला, प्रशिक्षण आदि पूरूष और महिला

प्राध्यापक के निष्पादन मूल्याकंन में अंतर है।

सुझाव

प्राध्यापक निष्पादन मूल्याकंन संबंधी कार्यकलापमें अनु व की गयी कमियों को दुर करने के लिए संस्थात्मक सह पाठयेत्तर कार्यकलाप में प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापको अपने क्षेत्र की प्रशिक्षण मे सुधार आवश्य है।

प्राध्यापको कों अध्यापक प्रशिक्षण स्तर के कार्यशाला, सेमीनार एवं वार्षिक सम्मेलनो की व्यवस्था मे गुणात्मक बदलाव करना जरूरी है।

अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापको को स्थानीय आवश्यकतों से सम्बधित विषयो की विशेषज्ञता प्राप्त व्यक्तियों को प्रवेश में करीयता देनी चाहिए।

अध्यापक प्रशिक्षण की समस्याओं के लिये शोध कार्यो का सम्पादन करना और बढावा देना, प्रेरणा देना और नवीन आयामों से अवगत कराना अध्यापक प्रशिक्षण की गुणात्मकता को बढावा देना जरूरी है।

प्राध्यापको का अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्क बनाये रखना और प्राध्यापको के लिए राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर प्रशिक्षण संस्थाओ तथा शिक्षा वि ाग के स्तर के शैक्षिक शोध कार्यो मे समन्वय स्थापित करना निष्पादन मूल्याकंन के लिए प्राध्यापको कों प्रशिक्षण नियोजन एवं प्रशासन के क्षेत्र में समस्याओं के समाधान हेतु प्रोत्साहित करना संस्था के स ी सदस्यो ने प्राध्यापको व्दारा विद्यार्थियों के लिए कम्प्युटर सहायक शिक्षण/वेब आधारित शिक्षण तथा ई–पुस्तकालय कौशल मे प्रचलित प्रशिक्षण आदर्श पाठ का प्रदर्शन करना और अध्यापकों व्दारा शिक्षण पाठोंका निरीक्षण करना आवश्यक है।

अध्यापक प्रशिक्षणार्थी को महाविद्यालय व्दारा प्राध्यापकों के सम्पूर्ण अनु वों मे पूर्ण रूप से ाग लेकर अनु वों का वितरण निष्पक्ष रूप से करना चाहिए।

अध्यापको कों राष्ट्र संघटन, पर्यावरण, लोकतंत्र, समाजवाद, मानव अधिकार आदि सामुदायिक कार्यअपेक्षित दृष्टीकोण तथा अभिरूचि विकसित करने के लिये उनको कौशलो तथा ज्ञान के अर्जन और वृध्दी के लिये प्रोत्साहित करना संस्था के मुखिया का कर्तव्य है।

अध्यापक प्रशिक्षण प्राध्यापको को न्यूनतम आवश्यक तकनीकी का ज्ञान प्रदान करना और साधारन प्रशिक्षण सामग्री और दृक श्राव्य सामाग्री प्रयोग करने के कौशल का विकास करकर उनके वातावरण में स्वतन्त्रता को बढावा देना आज की शिक्षा मे अनिवार्य है।

संद ग्रन्थ

गैरिट हेनरी (1991) शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग. नई दिल्ली कल्याणी पब्लिशर्स।
कपिल एच.के. (1994–95) अनुसंधन विधियाँ आगरा, हर प्रसाद ार्गव।
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमन 2010ण
मार्गदर्शिका (2010–11) अध्यापक विद्यालय के प्राचार्य और अध्यापकों के लिए सेवारत् प्रशिक्षण महाराष्ट्र राज्य शैक्षिक संशोधन एवं प्रशिक्षण परिषद, पुना।
पाण्डेय के.पी.(2006), शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

* International Scientific Journal Consortium Scientific
* OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net